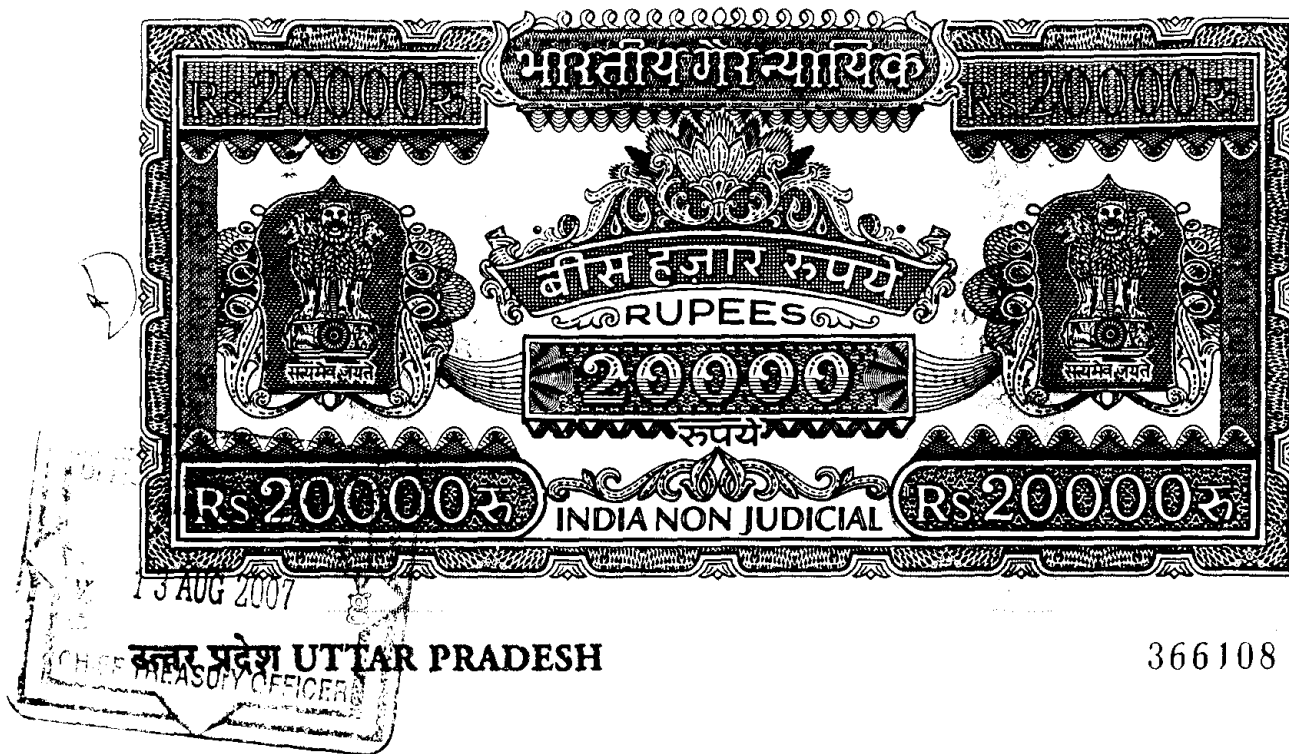
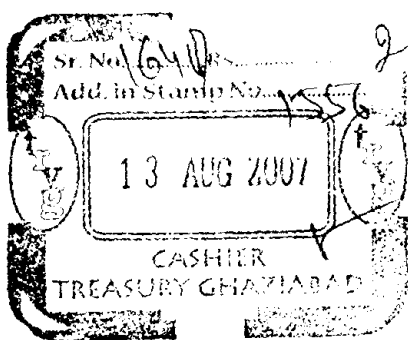




(94)

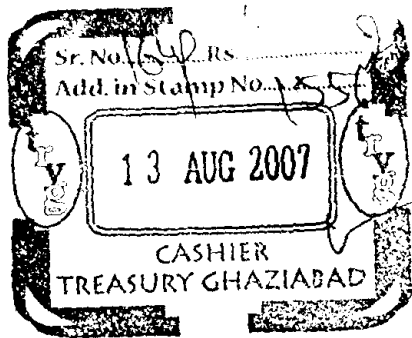
समझकर विक्रय पत्र पर हस्ताक्षर किये है। अब इकरार यह कि उपरोक्त भूमि को मिलकियत उसके मूल्यधन तथा किसी अंग से मुझ प्रथम पक्ष विक्रेता कम्पनी का





(95)

कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है, न आइन्दा होगा।
कब्जा मौके पर पूर्ण व वास्तविक रूप से द्वितीय पक्ष
का करा दिया है, अब द्वितीय पक्ष उपरोक्त भूमि के पूर्ण



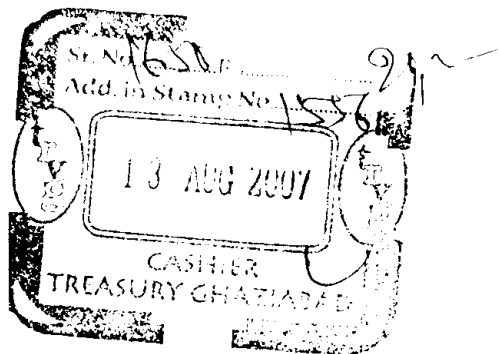


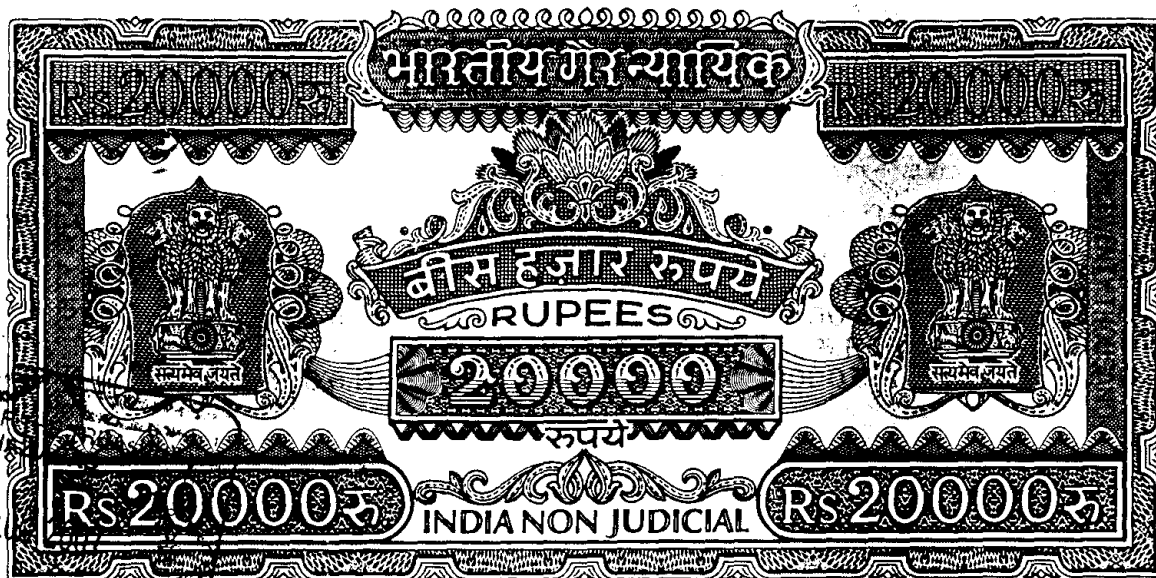
(96)

रुप से मालिक काबिज हो गये हैं, जिस प्रकार चाहे
अपने प्रयोग मालिकाना में लाकर लाभ उठावें, स्वयं
कृषि करे अथवा किसी प्रकार का आवासीय निर्माण

23

7

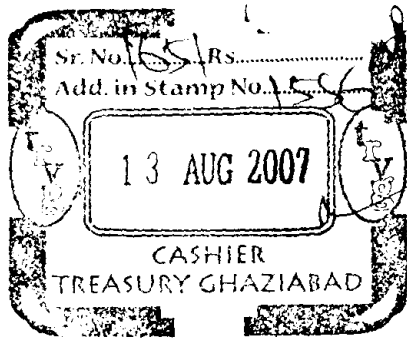


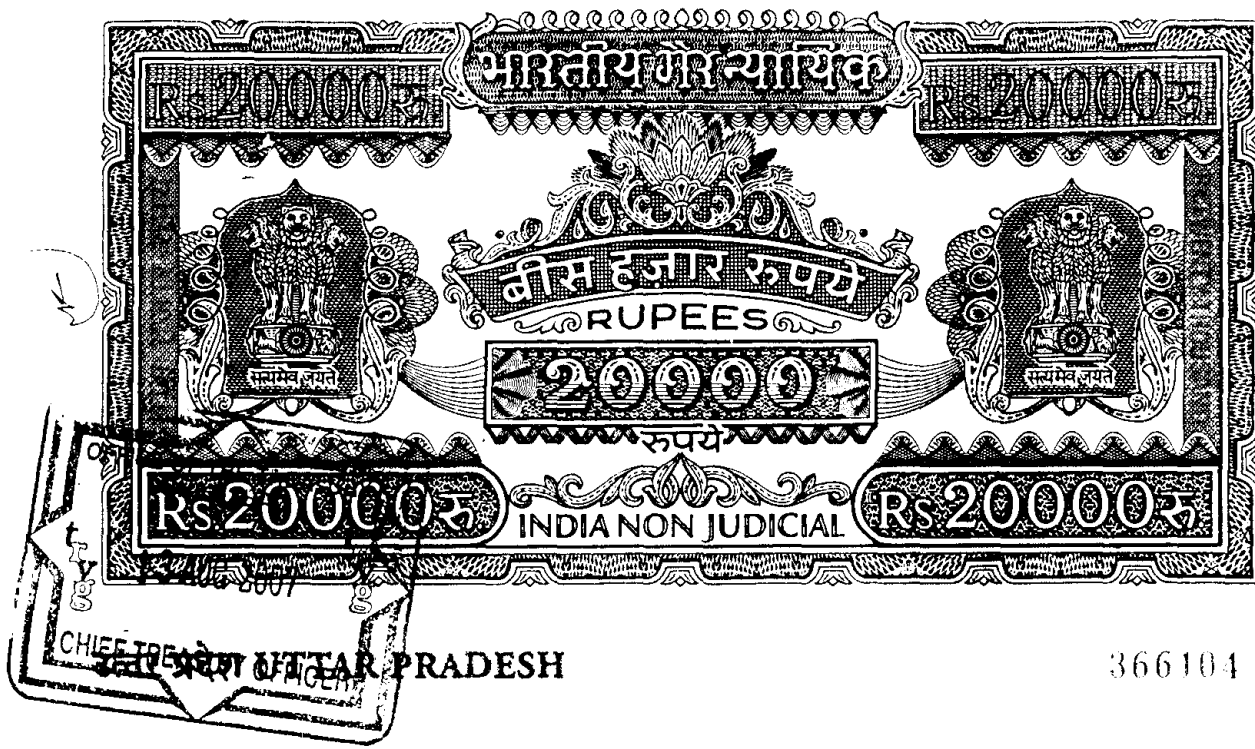


366105

(97)

आदि करे, गरज यह कि उक्त भूमि के विषय में जो अधिकार प्रथम पक्ष विक्रेता कम्पनी को प्राप्त है, वे सब अधिकार द्वितीय पक्ष केता के पक्ष में परिवर्तित हो



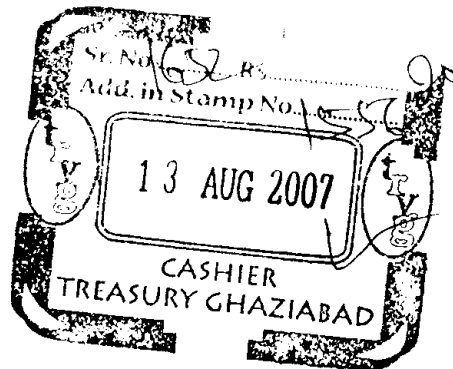


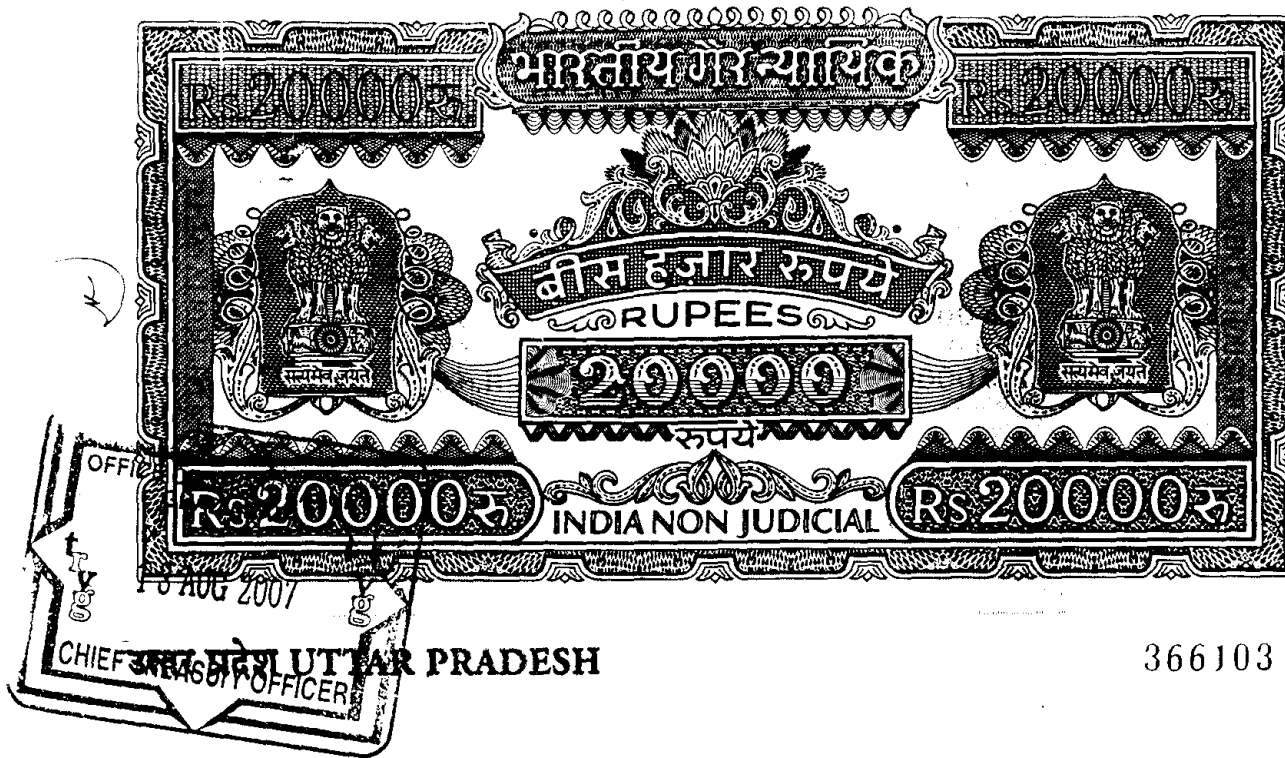
(98)

जायेंगे। समस्त राजपत्रों में द्वितीय पक्ष अपना नाम इस विक्रय पत्र के आधार पर स्वयं दर्ज करा ले, इस विक्रय पत्र का व्यय द्वितीय पक्ष ने स्वयं वहन किया

Dr

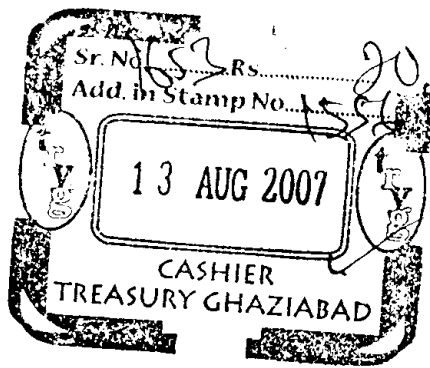
7

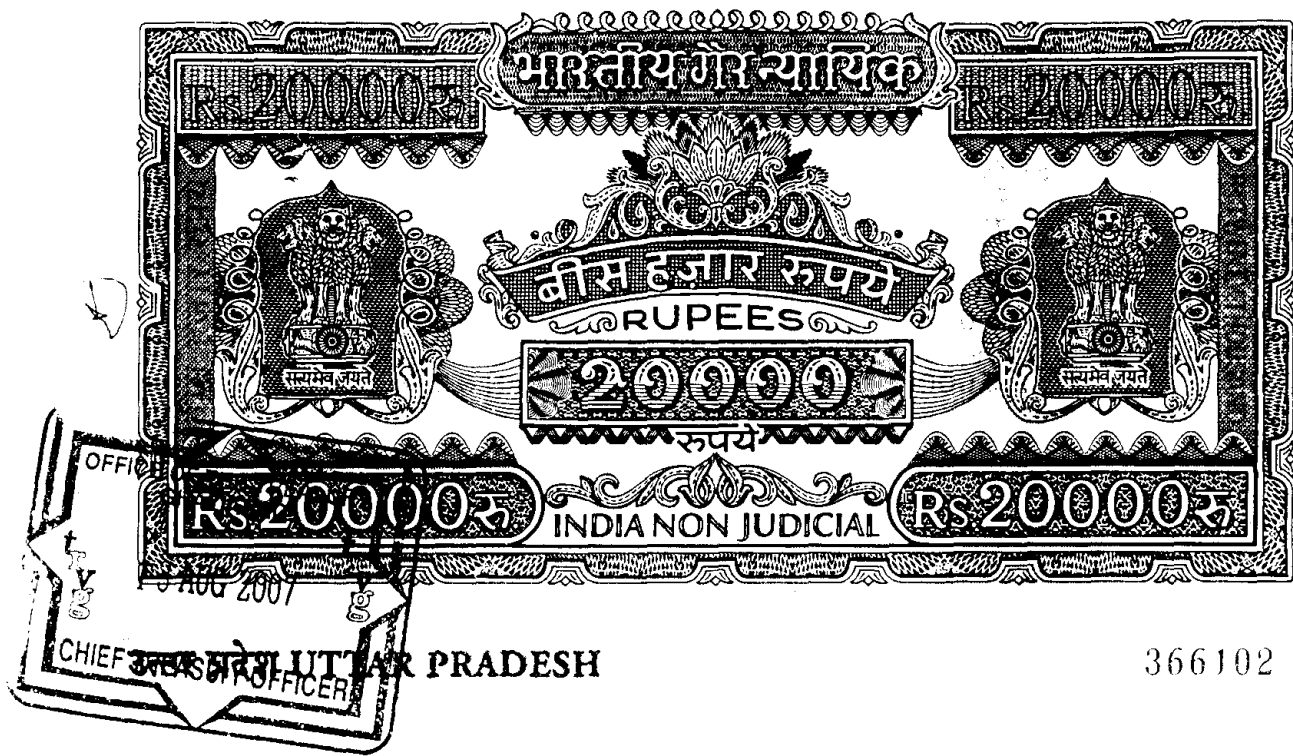




(99)

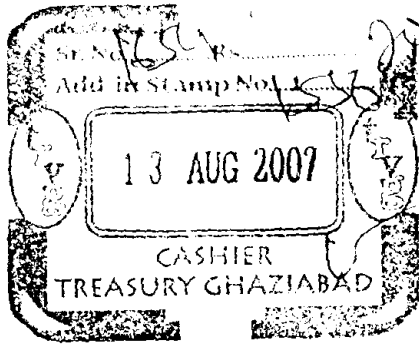
है, पक्षकारान के मध्य कोई इकरारनामा महायदावय
पंजीकृत नही हुआ है। अब इकरार यह है कि अगर





(100)

ब्रावजह वेइस्तहकाकी प्रथम पक्ष विकेता कम्पनी के या
बदावेदारी किसी सहीम व शरीक के विकय की जाने
वाली भूमि कुल अथवा उसका कोई भाग कब्जे या



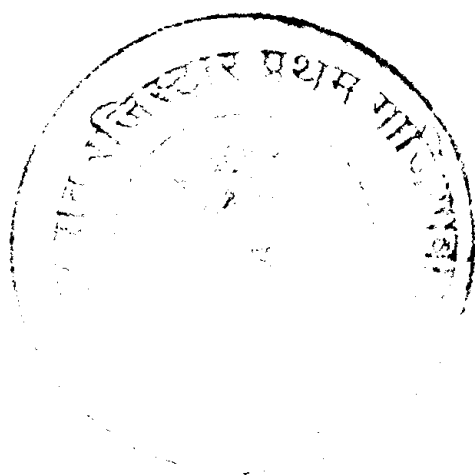
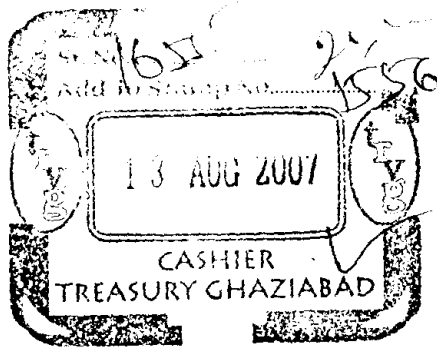


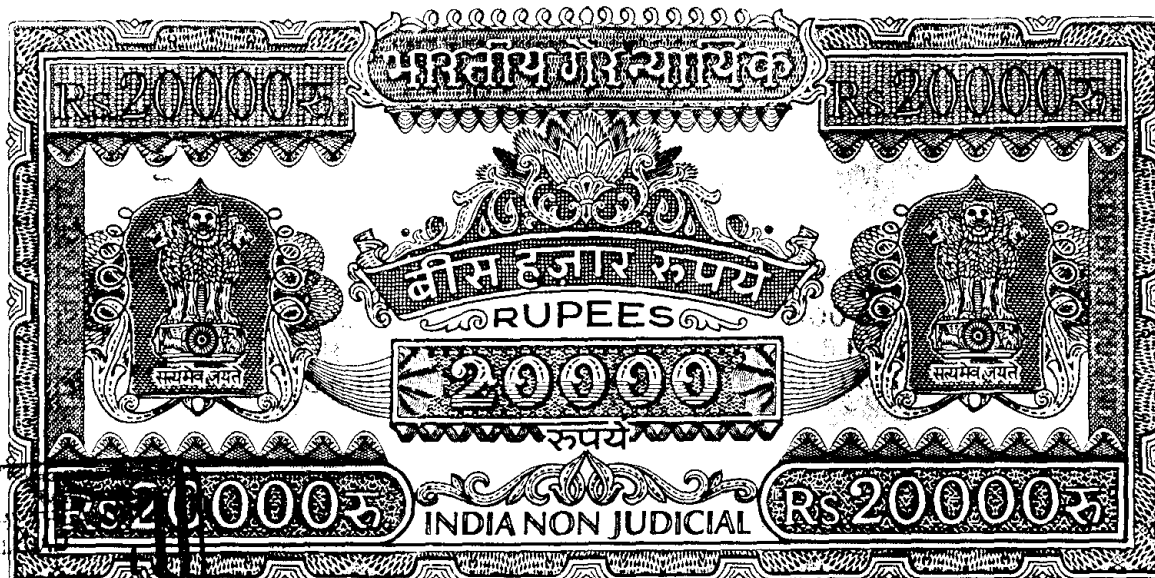
(101)

अधिकार केता से निकल जावेगा तो हर ऐसी दशा के
उपस्थित होने पर विकेता कम्पनी समस्त विकय धन
की वापसी का मय हर्जे खर्चे सूद कानूनी के हिसाब से

8

7



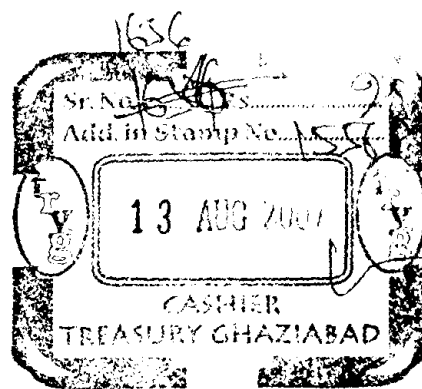
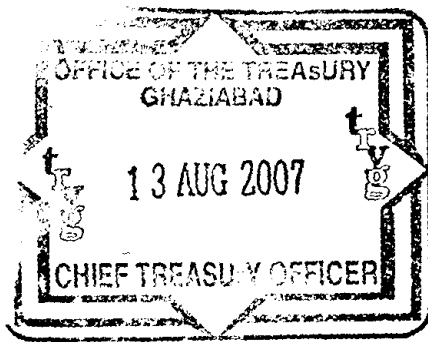


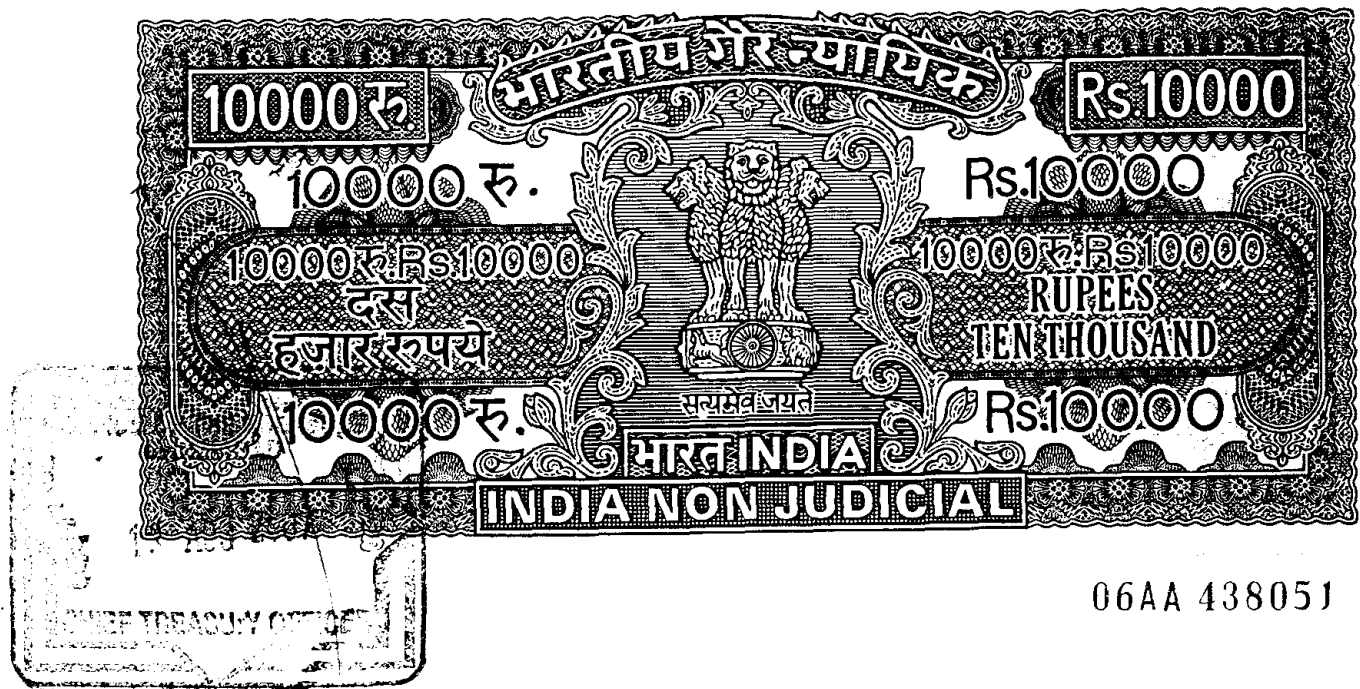
366002

(102)

जिम्मेदार रहेंगी।

विवरण वसूलयाबी :- अंकन- 1,31,88,711/- रुपये



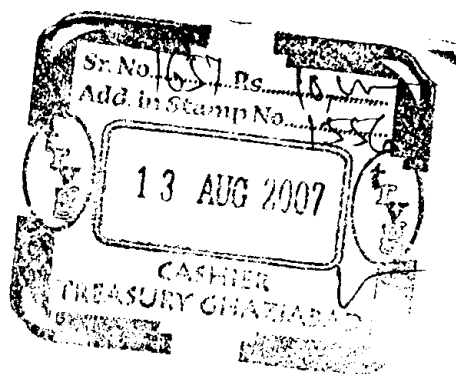


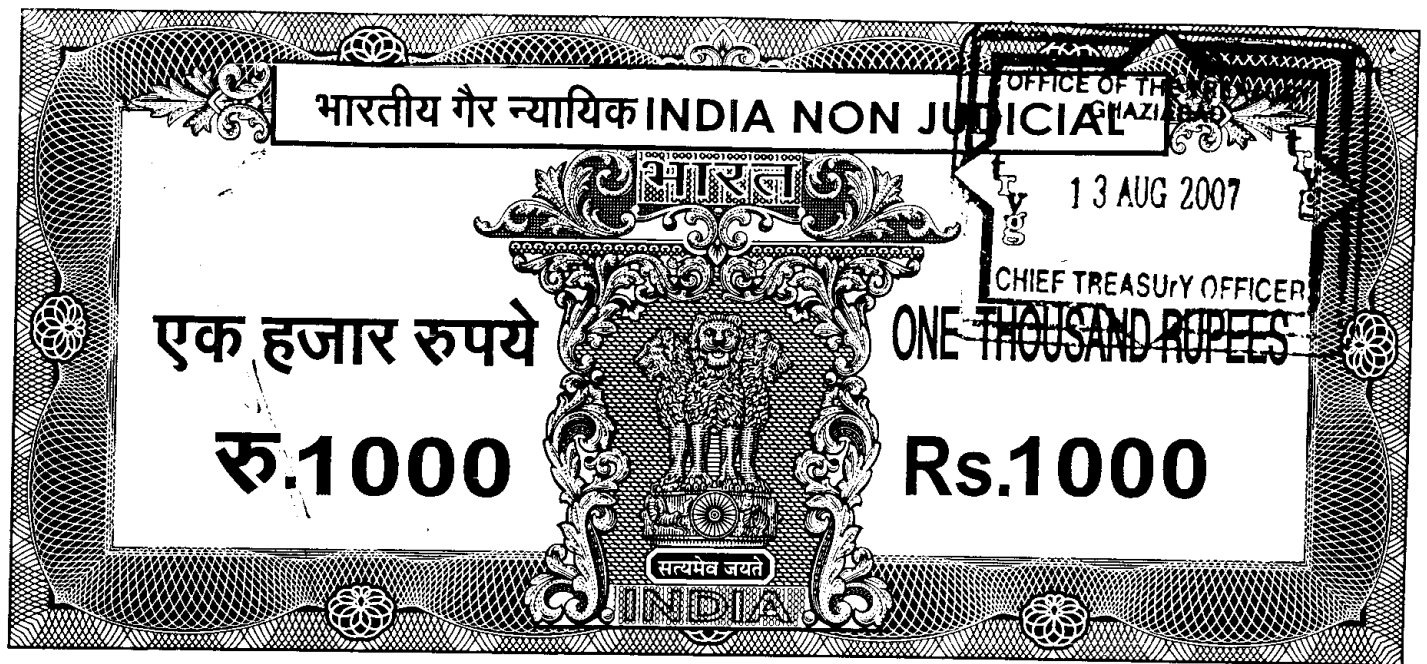
(103)

द्वारा चैक नं० 725480 दिनांकित 13-08-2007 जो ए०
बी० एन० एमो बैंक की शाखा हंसालय 15, बाराखम्भा

23

7





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 081116

(104)

रोड दिल्ली के खाते से जारी है, प्राप्त किये, इस प्रकार
कुल धनराशि प्राप्त की तथा कुछ भी शेष नहीं रहा है।

गवाह :- रंजीत सिंह S/o
एडवोकेट एच. ए. नारायण
रंगपुर गांव बाबा।

गवाह :-

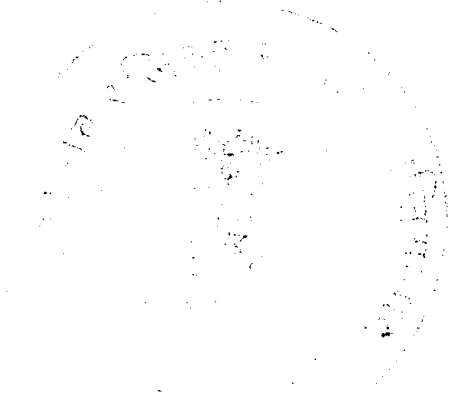
रंजीत सिंह S/o अशोक
एडवोकेट एच. ए. नारायण
रंगपुर गांव बाबा।

रंजीत सिंह



रंजीत सिंह S/o अशोक
एडवोकेट एच. ए. नारायण
रंगपुर गांव बाबा।

165p - 10m
1556
181117
✓



भूमि प्लान खाता नं- 903 खसरा नं- 2774, 2775 खाता नं- 1375

खसरा नं- 2935 मी०

स्थित नाम - शाहपुर बरहेटा

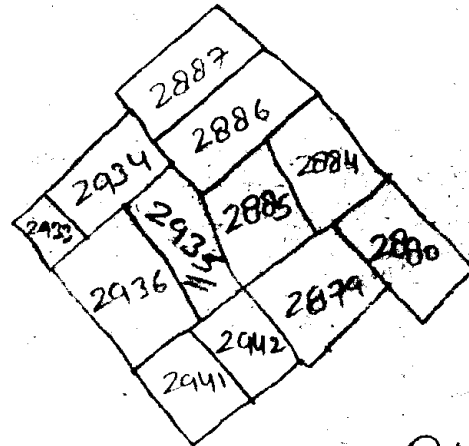
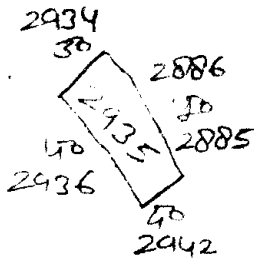
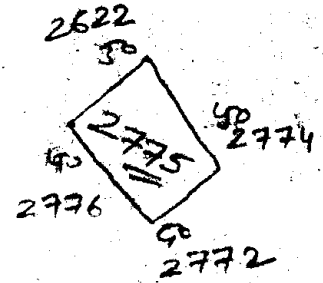
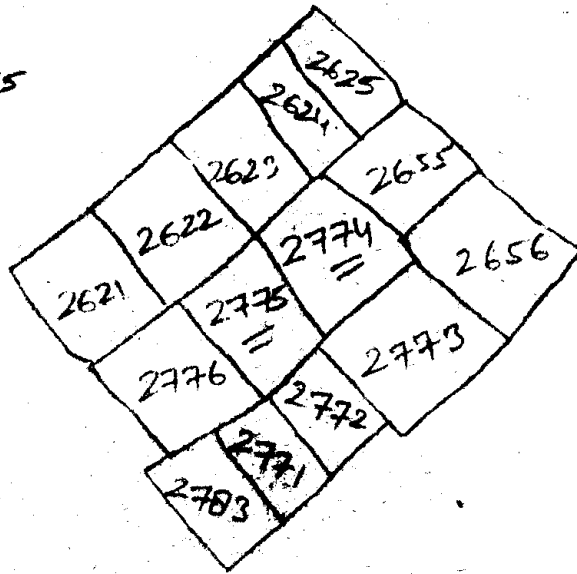
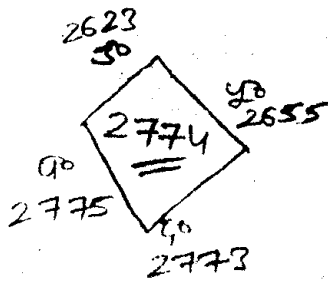
मरगा-ना - डायना

तहसील व जिला गान्धिपाबाद

नोट :- ये मानचित्र 200 मी० की त्रिज्या में बना है।

कुल विक्रय रकबा - 0.5129 हेक्टेयर

यानि - 5129 वर्गमी०



Lakesh Kumar Singh
Architect Planner
Ph. No. 92/1472



विभिन्न सम्पत्ति का पूरा फोटो (फुल साइड)

प्रलेख संख्या :-

स न संख्या :-

रि नैहल्ला :-



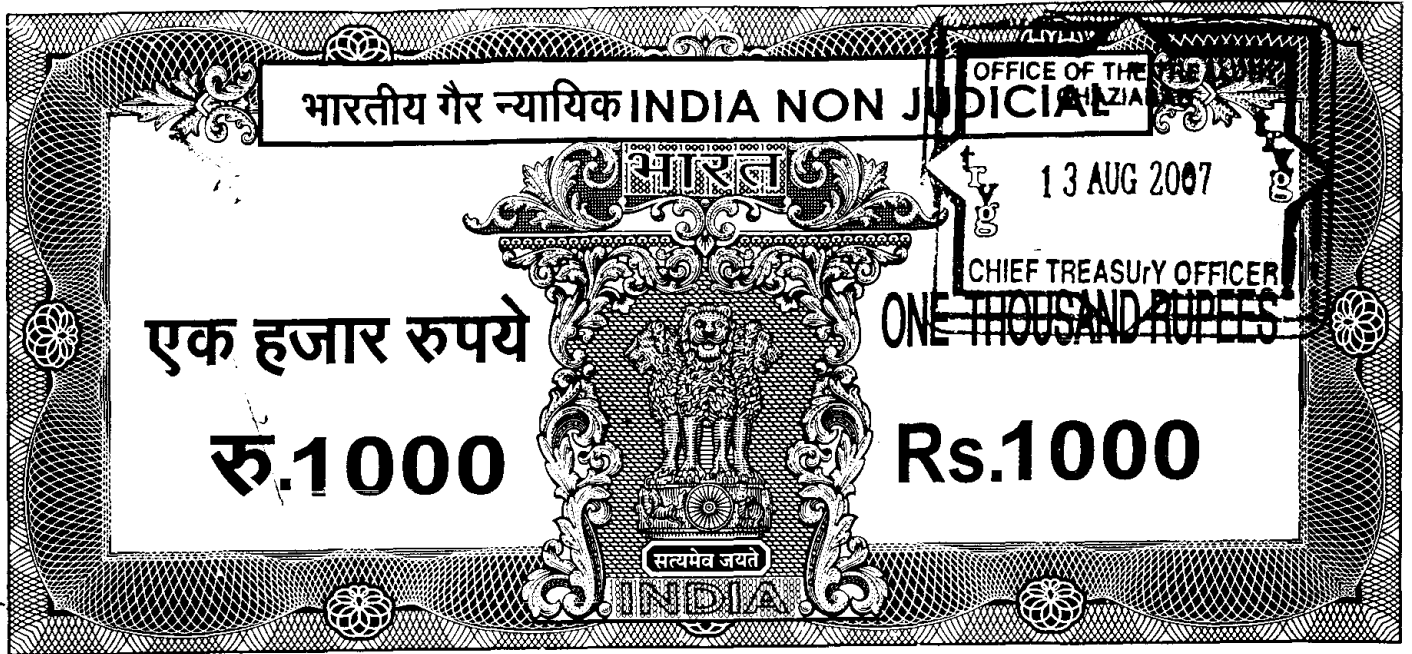
(सम्पत्ति के साथ पक्षकार का फोटो अनिवार्य है)

हस्ताक्षर विकेता

हस्ताक्षर केता



29,52,000



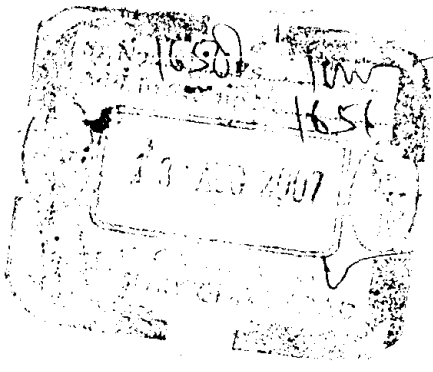
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 081117

(105)

अतः यह विक्रय पत्र कतई लिख दिया कि
प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

दिनांक :- 13-08-2007 मरौदा चौधरी बहापाल सिंह
वीरभान, एडवोकेट, चैम्बर नं० - 53, तहसील कम्पाउण्ड
गाजियाबाद।



आज दिनांक 13/08/2007 को

वही सं 1 जिल्द सं 7071

पृष्ठ सं 129 से 235 पर क्रमांक 4954

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

प्रभारी

उप निबन्धक (प्रथम)

गाजियाबाद

13/8/2007

